

## कोचगि संस्थानों के लिये शिक्षा मंत्रालय के दशानरिदेश

**स्रोत: द हट्टि**

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय (MoE) ने कोचगि संस्थानों को वनियमिति करने और नजि कोचगि संस्थानों की अनयितरति वृद्धिपर प्रबंधति लगाने हेतु दशान-नरिदेश प्रस्तुत कयि हैं।

### कोचगि संस्थानों के लिये प्रमुख दशान-नरिदेश क्या हैं?

- **आयु संबंधी प्रतबिंध:** कोचगि संस्थानों पर **16 वर्ष से कम आयु के छात्रों के नामांकन** पर प्रतबिंध लगाया गया है। माध्यमकि वदियालय की परीक्षा पूरी करने के बाद ही छात्रों को नामांकन की अनुमति होगी।
- **शिक्षकों की योग्यता:** इन संस्थानों के शिक्षकों के पास कम-से-कम स्नातक की योग्यता होनी चाहयि, नैतिक अधमता के दोषी व्यक्तियों को नयिकृत करना नषिदिध है। नैतिक अधमता का अर्थ है- सामाजकि कल्याण के वपिरीत कयिा गया कार्य।
- **झूठे वादों और आश्वासन पर नयितरण:** कोचगि संस्थानों को **भ्रामक दावे करने, रैंक की गारंटी देने अथवा अच्छे अंकों का आश्वासन देने के संबंध में भी नरिदेश जारी कयि गए हैं।**
  - कोचगि की गुणवत्ता, सुवधिओं अथवा परिणामों के संबंध में भ्रामक वजिआपन प्रस्तुत करना सख्त वर्जति हैं।
- **वेबसाइट अद्यतन:** कोचगि संस्थानों के पास शिक्षक योग्यता, पाठ्यक्रम, अवधि, छात्रावास सुवधिओं एवं शुल्क संबंधी अद्यतन जानकारी प्रदान करने वाली एक वेबसाइट होनी आवश्यक है।
- **मानसकि स्वास्थय:** छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या के जवाब में, उक्त दशान-नरिदेश कोचगि संस्थानों में मानसकि स्वास्थय को प्राथमकिता देने की आवश्यकता पर बल देते हैं।
  - इसके अंतर्गत एक परामर्श प्रणाली स्थापति करना, मनोवैजजानकिों और परामर्शदाताओं के बारे में जानकारी प्रदान करना एवं मानसकि स्वास्थय संबंधी मुद्दों पर शिक्षकों को प्रशिक्षण देना शामिल है।
- **शुल्क वनियम:** उचित टयूशन फीस की व्यवस्था और किसी छात्र द्वारा समय से पूरव पाठ्यक्रम छोड़े जाने की स्थिति में उसे आनुपातिक आधार पर रफिंड प्रदान कयिा जाना चाहयि।
- **समावेशी नीतियाँ:** कोचगि संस्थानों में धर्म, नस्ल, जाति, लजि, जन्म स्थान अथवा वंश के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं कयिा जाना चाहयि।
  - महिला छात्रों, दवियांगजनों और उपेक्षति समूहों के प्रतनिधितित्व में वृद्धि करने हेतु वशिष प्रयास कयि जा सकते हैं।
- **बुनयादी ढाँचा संबंधी मानक:** 'कक्षा में प्रती छात्र न्यूनतम एक वर्ग मीटर' जैसे अवसरचनात्मक मानक का पालन कयिा जाना चाहयि।
  - कोचगि संस्थान भवनों को अगर्ना सुरक्षा संहति, भवन सुरक्षा संहति और अन्य प्रासंगकि मानकों के अनुरूप होना आवश्यक है।
  - **दवियांगजन अधिकार अधनियम, 2016** के प्रावधानों का पालन करते हुए इमारतें और परविश भी दवियांगों के अनुकूल होनी चाहयि।
- **सरकारी नरिीक्षण:** सरकार ने उक्त दशान-नरिदेशों के प्रभावी होने के तीन माह के भीतर नए और मौजूदा कोचगि संस्थान के रजसि्ट्रीकरण का प्रस्ताव रखा है।
  - राज्य सरकारों को कोचगि संस्थान की गतविधियों की नगिरानी करने और रजसि्ट्रीकरण अरहता का अनुपालन सुनश्चिति करने का कार्य सौपा गया है।
- **सुरमाना:** रजसि्ट्रीकरण अथवा सामान्य शर्तों के किसी भी नयिम और शर्तों के उल्लंघन के मामले में, कोचगि संस्थान नमिनानुसार दंड के लयि उत्तरदायी होगा:
  - प्रथम अपराध के लयि 25,000/- रुपए
  - द्वतीय अपराध के लयि 1,00,000/- रुपए
  - पुनः उल्लंघन के लयि रजसि्ट्रीकरण रद्द कयिा जाना।

**नोट:** शिक्षा मंत्रालय के अनुसार कोचगि का अर्थ 50 से अधिक छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा की किसी भी शाखा में टयूशन, नरिदेश अथवा मार्गदर्शन से है, कति इसमें परामर्श, खेल, नृत्य, थरिटर और अन्य रचनात्मक गतविधियाँ शामिल नहीं हैं।

